NEWS CLIPPING: 19.07.2021

THE TRIBUNE

INTERNATIONAL CONFERENCE CONCLUDES

Faridabad: The three-day online international conference on "Recent advances in chemical sciences-2021", which was organised by the department of chemistry of JC Bose University of Science and Technology, YMCA Faridabad, concluded. As many as 150 participants from across India and abroad participated in the conference. Prof. Om Prakash Arora from Kurukshetra University, Kurukshetra, was the chief guest at the valedictory session. The session was presided over by Vice-Chancellor Dinesh Kumar.

The Tribune Mon, 19 July 2021
https://epaper.tribune.

NEWS CLIPPING: 19.07.2021

THE TRIBUNE

ALL ABOUT 5G TECHNOLOGY

Faridabad: The department of computer engineering and department of electronics engineering in collaboration with the National Telecommunications Institute for Policy, Research, Innovation and Training (NTIPRIT) organised a one-day webinar on 5G technology: Bridge to future. This event was attended by 250 participants of undergraduate, postgraduate students, research scholars and faculty members. The objective of this event was to provide awareness of 5G technology, its evolution and capabilities.

The Tribune Mon, 19 July 2021
https://epaper.tribunei

NEWS CLIPPING: 19.07.2021

HINDUSTAN

विश्वविद्यालय ने रोटरी ब्लड बैंक (फरीदाबाद) के साथ मिलकर शुरू किया अभियान, खून की जरूरत को पूरा करने में मदद करेगी 'टीम उम्मीद'

जेसी बोस विश्वविद्यालय थैलेसीमिया मरीजों को खून उपलब्ध करवाएगा

मदद

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

फरीदाबाद जिले में ऑक्सीजन रिफिलिंग मैनेजमेंट सिस्टम और जीविशा हेल्पलाइन जैसे सरकारी कार्यक्रमों को सफल शुरुआत देने के बाद जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए अब रोटरी ब्लड बैंक, फरीदाबाद के सहयोग से थैलेसीमिया मरीजों की मदद के लिए एक और सामाजिक पहल के साथ आगे आया है।

बता दें कि थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकार है जो शरीर की हीमोग्लोबिन और लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन की क्षमता को प्रभावित करता है। ऐसे मरीजों को जीवित रहने के लिए बार-बार खून चढ़ाने की जरूरत पड़ती है। रोटरी ब्लड बैंक, फरीदाबाद के साथ विश्वविद्यालय ने थैलेसीमिया रोगियों को उनकी खून की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक पंजीकरण अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है।

विश्वविद्यालय के छात्र स्वयंसेवकों की टीम, जिसे 'टीम उम्मीद' के नाम से पहचान मिली है, जरूरतमंद लोगों की मदद करने और उन्हें समय पर सहायता प्रदान करने के लिए काम करेगी। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय एवं रोटरी ब्लड बैंक की साझा पहल की सराहना की है और छात्र स्वयंसेवकों को इस पहल को सफल बनाने के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकार के कार्यों से खुद को जोड़ने और समाज की बेहतरी के लिए प्रौद्योगिकी का सर्वोत्तम उपयोग करने का आह्वान किया हैं।

जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्र स्वयंसेवक रोगियों की मदद करेंगे।

गूगल लिंक पर जाकर पंजीकरण करवाएं

इस पहल के बारे में विस्तार से बताते हुए कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रश्मि चावला ने कहा कि अभियान से जुड़ने के लिए फरीदाबाद जिले के मरीजों को एक गूगल लिंक **(https://forms.gle/ti2Zwq44ijBwoKAv9)** के माध्यम से अपना पंजीकरण करवाना होगा। इसके बाद मरीज को पंजीकरण नंबर दिया जाएगा। पंजीकरण के बाद मरीज को रोटरी ब्लड बैंक फरीदाबाद जाना होगा, जहां रोगी की जांच की जाएगी और ब्लड ट्रांसफ्यूजन किया जाएगा। इसके अलावा, रोटरी ब्लड बैंक मरीज को अगली बार खून चढ़ाने के लिए एक तारीख भी देगा।

हेल्पलाइन भी शुरू करेंगे

उन्होंने कहा कि उन रोगियों की मदद के लिए एक हेल्पलाइन भी शुरू की जाएगी ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर वे छात्र स्वयंसेवकों से संपर्क कर सकते हैं और मदद ले सकते हैं। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय द्वारा रोटरी ब्लड बैंक को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और रोटरी ब्लड बैंक (आरबीबी) चैरिटेबल ट्रस्ट फरीदाबाद के बीच एक समझौता ज्ञापन भी हुआ है। रोटरी ब्लड बैंक द्वारा विश्वविद्यालय में डेटा विश्लेषण प्रयोगशाला भी विकसित की गई है।